दैनिक भास्कर

04-Nov-2017
भोपाल Page 4

स्टडी | बेंगलुरू की संस्था जनाग्रह सेंटर फॉर सिटीजनशिप एंड डेमोक्रेसी ने दिए 10 में से केवल 2.4 अंक

अर्बन प्लानिंग एंड डेवलपमेंट में भोपाल फेल न तो मास्टर प्लान है और न कोई मैकेनिज्म

देश के 21 शहरों में भोपाल को मिला 13वां नंबर

मनोज जोशी | भोपाल

स्मार्ट सिटी और मेट्रो रेल जैसी बड़ी-बड़ी प्लानिंग कर रहा भोपाल अर्बन प्लानिंग एंड डेवलपमेंट ही नहीं, बल्कि गवर्नेंस में भी फेल है। भोपाल में कोई मास्टर प्लान नहीं है। इसे बनाने के लिए बना कानून भी 44 साल पुराना है। यदि प्लान बन भी जाए तो उसे लागू करने और उल्लंघन रोकने के लिए कोई मैकेनिज्म नहीं है। निराश करने वाला यह निष्कर्ष बेंगलुरू की संस्था जनाग्रह सेंटर फॉर सिटीजनशिप एंड डेमोक्रेसी द्वारा कराए अध्ययन में सामने आया है। संस्था ने देश के 21 शहरों में किए अध्ययन में अर्बन प्लानिंग एंड डेवलपमेंट में भोपाल को 10 में से केवल 2.4 नंबर दिए हैं और इन 21 शहरों में भोपाल को 13वां नंबर मिला है। वैसे संस्था के सर्वे में इस मामले में देश का कोई भी शहर पास नहीं हुआ है। सबसे ज्यादा 3.7 अंक दिल्ली को मिले हैं।

महापौर को भी नगर निगम में पर्याप्त अधिकार नहीं, डेवलपमेंट में सिर्फ 30% भूमिका

पिछड़े... लंदन को 9.6 व न्यूयार्क को 9.9 अंक

इन्हीं मानकों पर यदि न्यूयार्क और लंदन से तुलना की जाए तो संस्था ने लंदन को 9.6 और न्यूयार्क को 9.9 नंबर दिए हैं। इससे साफ समझा जा सकता है कि भोपाल सहित हमारे सभी शहर अमेरिका और ब्रिटेन के मुकाबले पिछड़े हुए हैं।

कमी... बिना प्लानर बड़ी-बड़ी प्लानिंग

हम स्मार्ट सिटी और मेट्रो जैसी बड़ी-बड़ी प्लानिंग कर रहे हैं। लेकिन भारत में 4 लाख की आबादी पर केवल एक प्लानर है। दक्षिण अफ्रीका में यह संख्या 4, यूएसए में 48 और ब्रिटेन में 148 है। ऐसे में हमारे यहां प्लानिंग की स्थिति को समझा जा सकता है।

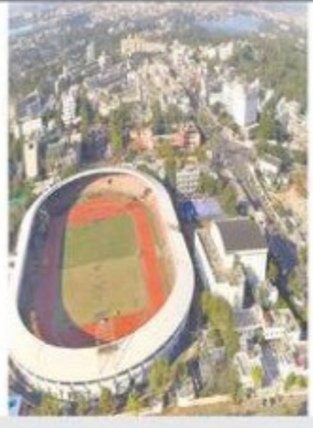

कमिश्नर... औसत कार्यकाल एक साल

हाल ही में किया गया अध्ययन बताता है कि भोपाल में नगर निगम कमिश्नर का औसत कार्यकाल एक साल है। इतनी जल्दी-जल्दी अधिकारी बदलने से नगर निगम की कार्यप्रणाली में अस्थिरता रहती है। इससे निर्माण कार्यों की भी गति पर प्रभाव पड़ता है।

महापौर...10 में से दिए सिर्फ 2.5 नंबर

सप्र में महापौर का चयन सीधे जनता द्वारा होता है, लेकिन महापौर को भी नगर निगम में पर्याप्त अधिकार नहीं है। डेवलपमेंट में महापौर की भूमिका केवल 30 प्रतिशत है। टैक्सेशन के मामले में संस्था ने भोपाल के महापौर को 10 में से 2.5 नंबर दिए हैं।

क्या है जनाग्रह - जनाग्रह सेंटर फॉर सिटीजनशिप एंड डेमोक्रेसी एक एनजीओ है, जो भारत के शहरों में सिस्टम के बदलाव को लेकर काम करता है ताकि लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाया जा सके। 2001 में स्थापित जनाग्रह हर साल भारत के शहरों की स्थिति का अध्ययन करता है।

कोई भी सरकारी अधिकारी जमीन पर आकर नहीं देखता

कोई भी सरकारी अधिकारी जमीन पर उतर कर नहीं देखता कि कागजों पर की गई प्लानिंग को कैसे लागू किया जा रहा है। अफसर यदि मैदान में आते भी हैं तो उनका उद्देश्य केवल फोटो खिंचवाना होता है। प्लानिंग से लेकर उसे लागू करने तक में जनता की कहीं कोई भूमिका नहीं है। - **निर्मला बुच**, पूर्व मुख्य सचिव

भोपाल को मॉडल टाउन की तरह डेवलप करें

रायपुर हमारे बाद राजधानी बना, लेकिन वहां भोपाल से अधिक डेवलपमेंट नजर आता है। सभी राजधानियों की तुलना में भोपाल सबसे पिछड़ा है। जब राजधानी के ये हालात हैं तो शेष प्रदेश की स्थिति समझी जा सकती है। भोपाल को मॉडल टाउन की तरह विकसित किया जाना चाहिए। - **हरीश भाटनानी**, संयोजक, भोपाल सिटीजंस फोरम